RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
21
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

World Health Organization

WORLD UNIVERSITY RANKINGS

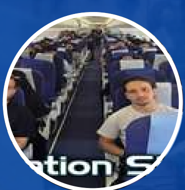

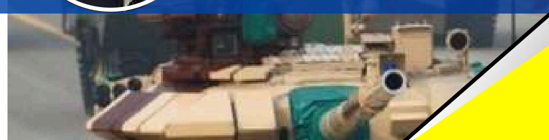

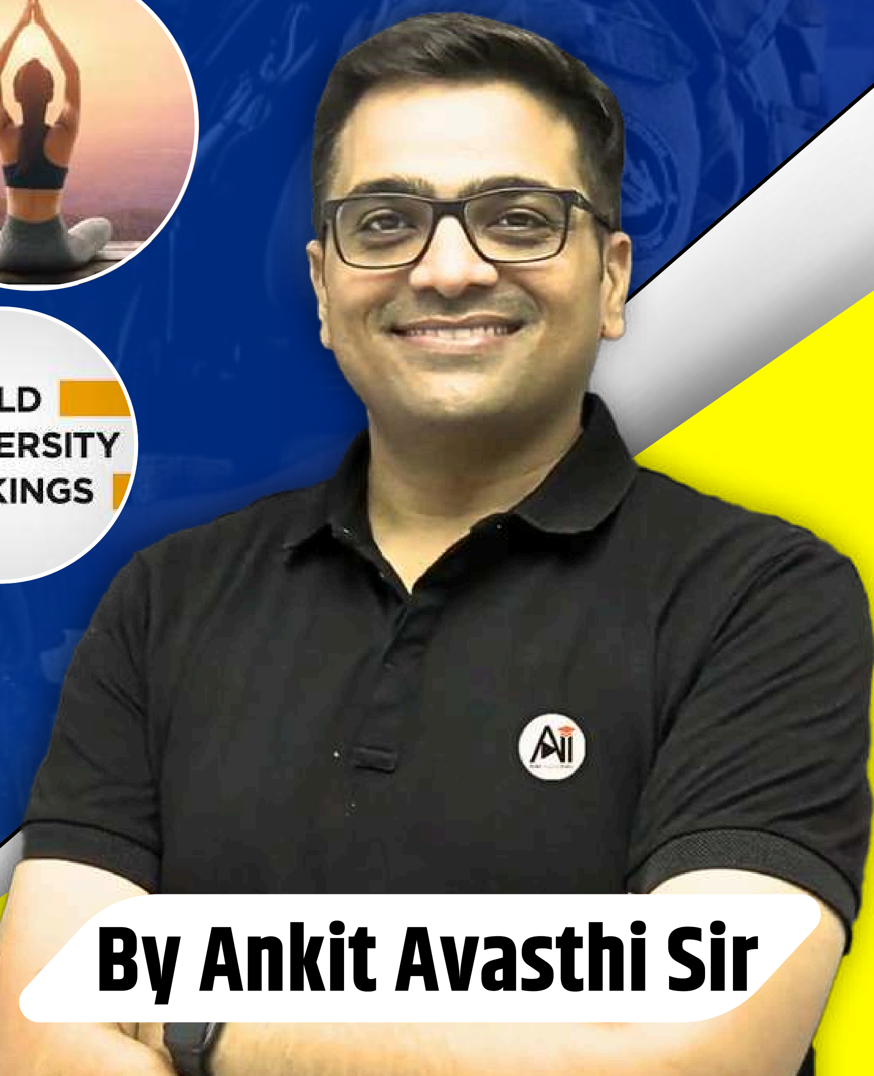

By Ankit Avasthi Sir

भारत में शराब नियंत्रण / Alcohol Control in India

संदर्भ:

भारत में भारी मात्रा में **शराब के एकमुश्त सेवन (Heavy Episodic Drinking)** की दर विश्व में सबसे अधिक पाई गई है। इससे जुड़ी स्वास्थ्य और सामाजिक समस्याएं गंभीर रूप से उभर कर सामने आई हैं। लाखों लोग ऐसे हैं जिन्हें चिकित्सकीय देखभाल और सामाजिक समर्थन की तत्काल आवश्यकता है।

भारत में शराब सेवन के जोखिम:

1. **स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और गैर-संचारी रोग:** शराब पीने से कैंसर, लीवर की बीमारी, हृदय रोग और मानसिक बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
2. **चोटें और दुर्घटनाएं:** शराब निर्णय क्षमता और शरीर का संतुलन बिगाड़ देती है, जिससे सड़क दुर्घटनाएं, गिरने की घटनाएं और कार्यस्थल पर चोटें अधिक होती हैं।
3. **मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या:** शराब का सेवन अवसाद (Depression) और चिंता (Anxiety) को बढ़ाता है, और यह आत्महत्या के प्रमुख कारणों में से एक है।
4. **हिंसा और अपराध:** शराब से जुड़ा व्यवहार घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, और हिंसक अपराधों से जुड़ा हुआ पाया गया है।
5. **आर्थिक और सामाजिक बोझ:** वर्ष 2021 में शराब की वजह से भारत पर **₹6.24 ट्रिलियन** का सामाजिक खर्च पड़ा, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, उत्पादकता में कमी, और कानून व्यवस्था से संबंधित खर्च शामिल हैं।

भारत में उपभोग की स्थिति (Consumption in India):

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार:

- 23% भारतीय पुरुष शराब का सेवन करते हैं।
- केवल 1% भारतीय महिलाएं शराब का सेवन करती हैं।

शराब सेवन के कारण:

शराब का सेवन अनेक जैविक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, व्यावसायिक और नीतिगत कारकों के सम्मिलन से प्रभावित होता है:

- **जैविक कारण:** कुछ लोगों में आनुवंशिक रूप से नशे की प्रवृत्ति पाई जाती है, जिससे वेआसानी से शराब की लत के शिकार हो सकते हैं।
- **मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण:** तनाव से राहत पाने की इच्छा, साथियों का दबाव, और फिल्मों व सोशल मीडिया में शराब की सामान्य छवि लोगों को इसके सेवन की ओर प्रेरित करती है।
- **व्यावसायिक रणनीतियाँ:** शराब उद्योग नए और युवा उपभोक्ताओं को लक्षित करता है। इसके लिए विविध उत्पाद, प्रॉक्सी विज्ञापन, आकर्षक प्रचार, और सोशल मीडिया पर रणनीतिक प्रचार जैसे उपाय अपनाए जाते हैं।
- **सुलभता:** शराब की दुकानें व्यापक रूप से फैली हुई हैं, आकर्षक पैकेजिंग और कम कीमत के कारण ग्रामीण निम्न आय वर्ग से लेकर शहरी मध्यम वर्ग तक इसकी पहुँच आसान है।
- **नीतिगत प्रभाव:** शराब उद्योग सरकारी नीतियों को प्रभावित करता है। यह उद्योग अपने राजस्व योगदान का हवाला देकर कड़े कानूनों का विरोध करता है और विज्ञापन पर लगे प्रतिबंधों को छिपे हुए प्रचार के जरिए दरकिनार करता है।

भारत में शराब नियमन की स्थिति: भारत में शराब का नियमन **राज्य सूची** का विषय है, यानी हर राज्य को शराब से संबंधित नियम-कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है। इसमें निम्न बिंदु शामिल हैं:

- **आबकारी कर (Excise Duty) निर्धारण**
- **उत्पादन, आपूर्ति और लाइसेंसिंग**
- **शराब की बिक्री और मूल्य निर्धारण**
- **उपभोग पर नियंत्रण और प्रतिबंध**
- **निषेध नीति लागू करना**

इस व्यवस्था के कारण राज्यों में शराब से संबंधित नीतियों में काफी भिन्नता पाई जाती है:

- **निषेध लागू करने वाले राज्य:** बिहार, गुजरात, मिजोरम और नागालैंड ने पूर्ण या आंशिक शराबबंदी लागू कर रखी है।
- **शराब को प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ:** आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्य सस्ती कीमतों, राज्य द्वारा नियंत्रित बिक्री और पारंपरिक पेयों के प्रचार के माध्यम से शराब की बिक्री को बढ़ावा देते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर शराब से संबंधित प्रमुख नीतियाँ और योजनाएँ-

- राष्ट्रीय मादक द्रव्य एवं मन:प्रभावी पदार्थ नीति, 2012
- राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान (NAPDDR), 2021–22
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति (NMHP), 2014
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP), 2017
- राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति (NSPS), 2022
- गैर-संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के लिए कार्ययोजना और निगरानी ढांचा (NMAP), 2017–2022

विश्व स्वास्थ्य सभा / World Health Assembly

संदर्भ:

78वीं विश्व स्वास्थ्य महासभा ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सर्वसम्मति से 'त्वचा रोगों को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता' घोषित करने वाला प्रस्ताव पारित किया।

- यह निर्णय इस बात का संकेत है कि अब त्वचा स्वास्थ्य को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में मान्यता दी जा रही है।
- वर्षों की वैश्विक पैरवी और जागरूकता के बाद यह पहल विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में त्वचा रोगों की अनदेखी और सीमित संसाधनों की समस्या को उजागर करती है।

डब्ल्यूएचए (WHA) का स्किन हेल्थ पर प्रस्ताव –

1. वैश्विक कार्य योजना: डब्ल्यूएचए-80 (वर्ष 2027) तक एक वैश्विक कार्य योजना तैयार की जाएगी, जिसका उद्देश्य होगा

- रोगों की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान, उपचार, और पर्यावरणीय लचीलापन को बढ़ाना।

2. निगरानी और निदान:

- रोगों की निगरानी प्रणाली को सशक्त करने पर ज़ोर दिया गया है।
- निदान क्षमता (diagnostic capacity) को बढ़ाया जाएगा।
- एंटीमाइक्रोबियल रेज़िस्टेंस (AMR) और जलवायु से जुड़े त्वचा रोगों से निपटने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे।

3. वैश्विक सहयोग:

- डब्ल्यूएचओ का यह प्रस्ताव त्वचा रोगों की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में समावेश पर ज़ोर देता है।
- समावेशी अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा, विशेषकर रंगीन त्वचा और उपेक्षित त्वचा रोगों के लिए।
- इलाज की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी।
- राष्ट्रीय स्तर पर रजिस्ट्रियाँ और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य क्षमताएँ विकसित की जाएंगी।

4. भारत के लिए अवसर: भारत, जहां **त्वचा रोगों का बोझ बहुत अधिक है**, इस प्रस्ताव का लाभ उठाकर–

- सार्वजनिक त्वचा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर सकता है।
- अनुसंधान और डेटा संग्रहण को बढ़ावा दे सकता है।
- प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मियों को त्वचा रोगों का प्रशिक्षण प्रदान कर सकता है।
- और बीमा कवरेज के लिए नीति-स्तर पर पहल कर सकता है।

क्षेत्रीय प्रभाव और चुनौतियाँ-

यह प्रस्ताव **दक्षिण एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व** जैसे क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रस्ताव के मुख्य उद्देश्य:

- **वित्तीय असमानताओं (funding disparities)** को दूर करने के लिए विभिन्न पक्षकारों (stakeholders) के बीच **सहयोग** को बढ़ावा देना।
- **त्वचा स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं** में एकीकृत (integrate) करना।

विश्व स्वास्थ्य सभा के बारे में (About World Health Assembly):

World Health Organization

- यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की निर्णय लेने वाली संस्था है।
- इसमें सभी WHO सदस्य देशों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं और यह कार्यकारी बोर्ड द्वारा तैयार किए गए विशिष्ट स्वास्थ्य एजेंडे पर केंद्रित होती है।

कार्य (Functions):

- विश्व स्वास्थ्य सभा का मुख्य कार्य संगठन की नीतियों को निर्धारित करना, महानिदेशक की नियुक्ति करना, वित्तीय नीतियों की निगरानी करना और प्रस्तावित कार्यक्रम बजट की समीक्षा और स्वीकृति देना है।
- स्वास्थ्य सभा प्रतिवर्ष जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में आयोजित की जाती है।

मैग्ना कार्टा / Magna Carta

संदर्भ:

15 जून 1215 को इंग्लैंड के राजा जॉन ने एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ 'मैग्ना कार्टा' पर सहमति दी, जिसने आधुनिक लोकतंत्रों की नींव रखने वाले सिद्धांतों की शुरुआत की। यह दस्तावेज़ शासक की शक्तियों पर नियंत्रण और नागरिक अधिकारों की रक्षा का प्रारंभिक आधार बना।

हाल ही में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में इसकी पुन: खोज ने दुनिया भर में मानवाधिकारों और कानून के शासन पर इसके स्थायी प्रभाव को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दिया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उत्पत्ति (1215) – Historical Context and Origin (1215):

- 15 जून 1215 को इंग्लैंड के राजा जॉन ने मैग्ना कार्टा पर मुहर लगाई, यह कदम अंग्रेज़ सामंतों के दबाव में उठाया गया, जो राजा की मनमानी शक्ति को सीमित करना चाहते थे।
- सामंत (Barons), जो सामंती व्यवस्था का हिस्सा थे, भूमि स्वामी होने के कारण राजा को सैनिक और सैन्य सेवा प्रदान करने वाले मुख्य हितधारक थे।
- विद्रोह का तत्काल कारण 1214 में बौवाइन्स की लड़ाई में राजा जॉन की फ्रांस के राजा फिलिप द्वितीय से हार थी।
- दीर्घकालिक कारणों में सैन्य असफलताएँ (जैसे 1204 में नॉर्मंडी और अंजू की हार) और सैन्य अभियानों के लिए लगाए गए भारी कर शामिल थे।

उद्देश्य (Purpose): यह पहला दस्तावेज़ था जिसने यह सिद्धांत लिखित रूप में प्रस्तुत किया कि राजा और उसकी सरकार कानून से ऊपर नहीं हैं।

- इसका लक्ष्य राजा की शक्ति के दुरुपयोग को रोकना था और शाही अधिकारों पर सीमाएं लगाते हुए कानून को एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करना था।

चार्टर की विषयवस्तु और सिद्धांत (Charter Contents and Principles):

- मैग्ना कार्टा में कुल 63 धाराएँ थीं, और इसमें 3,500 से अधिक शब्द थे।
- इसमें स्थानीय शासन (local governance) और व्यापक कानूनी सिद्धांतों (legal principles) दोनों को संबोधित किया गया था।

मुख्य धाराएँ (Key Clauses):

- **धारा 39:** मनमानी गिरफ्तारी के विरुद्ध संरक्षण –
- **धारा 40:** न्याय तक पहुँच की गारंटी

विरासत (Legacy):

- मैग्ना कार्टा ने *हैबियस कॉर्पस* जैसे सिद्धांतों और मनमाने बंदीकरण के खिलाफ सुरक्षा उपायों को प्रेरित किया।
- इसने अमेरिकी क्रांति के दौरान **अमेरिकी संविधान** और **बिल ऑफ राइट्स** को प्रभावित किया।
- आज भी यह **तानाशाही के विरोध** और **कानून के तहत व्यक्तिगत अधिकारों के दावे** का प्रतीक बना हुआ है।

भारतीय संविधान की मैग्ना कार्टा: भाग III (मौलिक अधिकार) –

- भारतीय संविधान का भाग III (अनुच्छेद 12 से 35) को अक्सर "भारत की मैग्ना कार्टा" कहा जाता है।
- यह न्यायिक रूप से लागू होने वाले **मौलिक अधिकारों** की गारंटी देता है, जो नागरिकों को राज्य की मनमानी कार्रवाई से **सुरक्षा** प्रदान करते हैं और **भारतीय लोकतंत्र की नींव** बनाते हैं।

इसे भारत की मैग्ना कार्टा क्यों कहा जाता है?

- **ऐतिहासिक समानता:** 1215 के चार्टर की तरह, भाग III भी सरकार की शक्ति को सीमित करता है और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं की गारंटी देता है।
- **प्रेरणा स्रोत:** यह अमेरिका के *Bill of Rights* से प्रेरित है और दुनिया के सबसे व्यापक अधिकार चार्टर्स में से एक माना जाता है।
- **कानूनी प्रवर्तनीयता (Legal Enforceability):** यह न्यायालयों को नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने और असंवैधानिक कानूनों को रद्द करने का अधिकार देता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस / International Yoga Day

संदर्भ:

21 जून को पूरी दुनिया में **11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (International Yoga Day - IYD)** मनाया जा रहा है। यह दिन योग के वैश्विक महत्व और जीवन में उसके सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस क्या है? (What is International Yoga Day?)

- **परिचय (About):** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का उद्देश्य स्वास्थ्य, कल्याण और शांति के लिए योग के लाभों के प्रति जागरूकता फैलाना है।
- इसका उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, योग को भारत की प्राचीन परंपरा के उपहार के रूप में प्रचारित करना, और इसके अभ्यास के माध्यम से वैश्विक सौहार्द एवं शांति को बढ़ावा देना है।

उत्पत्ति और संयुक्त राष्ट्र की घोषणा (Origin & UN Declaration):

- भारत ने 2014 में 69वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसका प्रस्ताव रखा, जिसके बाद 21 जून को **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY)** घोषित किया गया।
- पहला योग दिवस वर्ष 2015 में *"Yoga for Harmony and Peace"* थीम के साथ मनाया गया।

21 जून का महत्व (Significance of 21st June):

- 21 जून को योग दिवस इसलिए चुना गया क्योंकि यह **ग्रीष्म संक्रांति (Summer Solstice)** का दिन होता है – यानी उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन।
- इस दिन सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर सीधी पड़ती हैं, जो योगिक परंपराओं में **आध्यात्मिक जागरूकता** के आरंभ का प्रतीक माना जाता है।

वैश्विक मान्यता (Global Recognition):

- **यूनेस्को (UNESCO)** ने 2016 में योग को *मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर* (Intangible Cultural Heritage of Humanity) के रूप में शामिल किया।
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने योग को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का एक प्रभावी साधन माना है, जो *गैर-संक्रामक रोगों (NCDs)* से लड़ने में सहायक है, और इसे अपने *वैश्विक कार्य योजना (2018–30)* में शामिल किया है।

योग क्या है? (What is Yoga?)

- **परिचय (About):** योग संस्कृत शब्द "युज्" (अर्थात् *मिलन* या *एकता*) से निकला है, जो **मन और शरीर की एकता** का प्रतीक है।
  इसका उद्भव *सिंधु घाटी सभ्यता* से जुड़ा है – पशुपति मुहर पर ध्यान मुद्रा में योगिक आकृति और अवशेष इसके प्रमाण हैं।
  योग का उल्लेख *वेदों* में भी मिलता है, और इसे व्यवस्थित रूप में *पातंजल योगसूत्र* (ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी) में संकलित किया गया।
- **दर्शन में स्थान:** योग भारत के छह *आस्तिक (शास्त्रीय)* दर्शनों में से एक है – (न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा और वेदांत)।

आधुनिक प्रासंगिकता (Modern Relevance):

- योग **समग्र स्वास्थ्य** (Holistic Health) को बढ़ावा देता है – यह शारीरिक लचीलापन, मानसिक स्पष्टता और तनाव से राहत प्रदान करता है।
- कोविड-19 के दौरान *मनो-सामाजिक पुनर्वास* में योग का उपयोग किया गया।
- आज यह विश्व भर में लोकप्रिय है – विशेष रूप से *हठ योग*, *अष्टांग योग* और *अय्यंगर योग* के रूपों में।

भारत की योग से जुड़ी पहलें (India's Initiatives Related to Yoga):

- **M-Yoga App**
- **योग में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम**
- **फिट इंडिया मूवमेंट** में योग को शामिल किया गया है।

शंघाई सहयोग संगठन / SCO

संदर्भ:

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। यह दौरा क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग पर बातचीत के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

Shanghai Cooperation Organisation (SCO) – शंघाई सहयोग संगठन

- **उद्भव (Origin):** शंघाई फाइव (Shanghai Five) की स्थापना 1996 में चीन और पूर्व सोवियत संघ की 4 गणराज्यों (कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, रूस और ताजिकिस्तान) के बीच सीमा निर्धारण और सेना घटाने की वार्ताओं के परिणामस्वरूप हुई थी।
- **सदस्य (Members of Shanghai Five):** कज़ाखस्तान, चीन, किर्गिज़स्तान, रूस और ताजिकिस्तान।
- 2001 में **उज़्बेकिस्तान** के शामिल होने के बाद इसका नाम बदलकर **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** रख दिया गया।

उद्देश्य: मध्य एशियाई क्षेत्र में **आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद** पर रोक लगाने हेतु क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाना।

सदस्य देश: **चीन, रूस, भारत (2017), पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस**, और चार मध्य एशियाई देश – कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान।

पर्यवेक्षक देश: **अफगानिस्तान** और **मंगोलिया**।

भाषा (Language): SCO की आधिकारिक भाषाएँ **रूसी और चीनी** हैं।

संरचना (Structure):

- सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इकाई है **राज्य प्रमुखों की परिषद (Council of Heads of States - CHS)**, जिसकी बैठक साल में एक बार होती है।
- संगठन की दो स्थायी संस्थाएं हैं:
  - **सचिवालय (Secretariat)** – बीजिंग में स्थित।
  - **क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (RATS) की कार्यकारी समिति** – ताशकंद में स्थित।

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स

संदर्भ:

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 जारी हो चुकी हैं, जो वैश्विक उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाती हैं। इस बार कई भारतीय संस्थानों ने रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिससे भारत की वैश्विक शैक्षणिक पहचान और मजबूत हुई है।

QS World University Rankings 2026 – भारत से जुड़े प्रमुख तथ्य

- **भारत की कुल भागीदारी:** भारत की **54 विश्वविद्यालयों** ने QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में स्थान पाया है, जिससे वह **चौथा सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश** बन गया है।
- **भारत से आगे केवल तीन देश:**
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका** - 192 विश्वविद्यालय
  - **यूनाइटेड किंगडम** - 90 विश्वविद्यालय
  - **मेनलैंड चीन** - 72 विश्वविद्यालय
- **नई प्रविष्टियाँ:** भारत के **8 नए संस्थानों** ने पहली बार इस रैंकिंग में प्रवेश किया है – यह किसी भी देश से **सबसे अधिक नई प्रविष्टियाँ** हैं।
- **तेजी से वृद्धि:** 2015 में भारत के केवल **11 विश्वविद्यालय** इस सूची में थे, जो 2026 में बढ़कर **54** हो गए हैं – यानी **10 वर्षों में पाँच गुना वृद्धि**।
- **प्रदर्शन में सुधार:** भारत के **48% विश्वविद्यालयों** ने पिछले वर्ष की तुलना में **अपनी रैंकिंग में सुधार** किया है।

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले संस्थान:

- **IIT दिल्ली** भारतीय संस्थानों में शीर्ष पर है – इसकी वैश्विक रैंकिंग **123वीं** है, जो 2025 में **150वीं** थी।
- **IIT मद्रास** ने सबसे बड़ा उछाल दर्ज किया – 2025 की **227वीं** रैंक से बढ़कर 2026 में **180वीं** रैंक पर पहुँचा।
- कुल **12 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs)** इस सूची में शामिल हैं, जो वैश्विक अकादमिक क्षेत्र में **भारत की मज़बूत उपस्थिति** को दर्शाते हैं।
- **6 भारतीय संस्थान** वैश्विक **शीर्ष 250** में शामिल हैं।

एक्सट्रीम हीलियम स्टार / EHe

संदर्भ:

वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ प्रकार के तारे **A980** में एक अद्भुत अंतरिक्षीय रहस्य खोजा है, जो **एक्सट्रीम हीलियम (EHe) सितारों** की श्रेणी में आता है। यह तारा असाधारण रूप से अधिक मात्रा में **जर्मेनियम** नामक धातु रखता है — जो इससे पहले कभी भी इस प्रकार के तारों में नहीं देखी गई थी।

एक्सट्रीम हीलियम स्टार के बारे में

- यह एक कम-द्रव्यमान सुपरजायंट तारा (low-mass supergiant) होता है, जिसमें **हाइड्रोजन की मात्रा लगभग न के बराबर** होती है।
- ये दुर्लभ और रहस्यमय तारे सामान्य तारों (जैसे सूर्य) की तुलना में **मुख्य रूप से हीलियम से बने होते हैं**, जबकि सामान्य तारे अधिकांशतः हाइड्रोजन से बने होते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि EHe स्टार का निर्माण तब होता है जब एक **कार्बन-ऑक्सीजन व्हाइट ड्वार्फ** का **एक हल्के हीलियम व्हाइट ड्वार्फ** से विलय हो जाता है।
- अब तक हमारी आकाशगंगा में ऐसे 21 तारे खोजे जा चुके हैं।
- इन तारों का तापमान 8000 से 35000 केल्विन के बीच होता है।
- पहला **एक्सट्रीम हीलियम स्टार, HD 124448**, को 1942 में टेक्सास के McDonald Observatory में डैनियल एम. पॉपर (Daniel M. Popper) द्वारा खोजा गया था, जो यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो से जुड़े थे।

जर्मेनियम के बारे में:

- यह एक रासायनिक तत्व है, जो आवर्त सारणी के **समूह 14 (Group 14 / IVa)** में **सिलिकॉन और टिन** के बीच स्थित है।
- इसका **रासायनिक प्रतीक (Symbol)** *Ge* है और **परमाणु क्रमांक (Atomic Number)** *32* है।
- यह एक चमकीला धूसर रंग का मेटलॉयड होता है, जिसकी विशेषताएँ धातु और अधातु दोनों के बीच की होती हैं।
- इसमें हीरे जैसी क्रिस्टलीय संरचना होती है, और यह रासायनिक तथा भौतिक गुणों में सिलिकॉन से मिलता-जुलता होता है।

रिवर्स फ्लिपिंग / Reverse Flipping

संदर्भ:

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने व्यापार सुगमता बढ़ाने और "रिवर्स फ्लिपिंग" को प्रोत्साहित करने के लिए कई सुधारों को मंजूरी दी है। इन सुधारों का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप्स और कंपनियों को घरेलू स्तर पर पंजीकरण और संचालन के लिए अधिक आकर्षक बनाना है।

रिवर्स फ्लिपिंग क्या है?

- **परिभाषा (Definition):** *Reverse Flipping* एक शब्द है जो स्टार्टअप ईकोसिस्टम और कॉर्पोरेट संरचना में उपयोग होता है। इसका अर्थ है जब कोई भारतीय स्टार्टअप या कंपनी अपना मुख्य पंजीकरण (domicile) विदेश से वापस **भारत में स्थानांतरित** करती है — यानी "फ्लिपिंग" की प्रक्रिया को उल्टा करना।

यह कैसे कार्य करता है? (How does it work?):

- विदेश में स्थित मूल कंपनी (Parent Company) **भारतीय इकाई को स्वामित्व, संपत्ति या नियंत्रण** हस्तांतरित करती है।
- पहले जो भारतीय इकाई केवल एक **ऑपरेशनल शाखा** थी, अब वही **मुख्य होल्डिंग कंपनी** बन जाती है।
- इसमें बौद्धिक संपदा (IP), डेटा, और प्रमुख कार्यों को भारत में स्थानांतरित करना शामिल हो सकता है।

रिवर्स फ्लिपिंग का महत्व:

- यह भारत की **आर्थिक और नियामक प्रणाली** (economic and regulatory ecosystem) में विश्वास को दर्शाता है।
- यह **आत्मनिर्भर भारत, व्यापार करने में सुगमता** (ease of doing business), और **पूंजी बाजार सुधारों** से जुड़ा हुआ है।
- यह **नवाचार (innovation), रोजगार सृजन** (job creation), और **घरेलू पूंजी जुटाने** (domestic capital mobilisation) के लिए महत्वपूर्ण है।

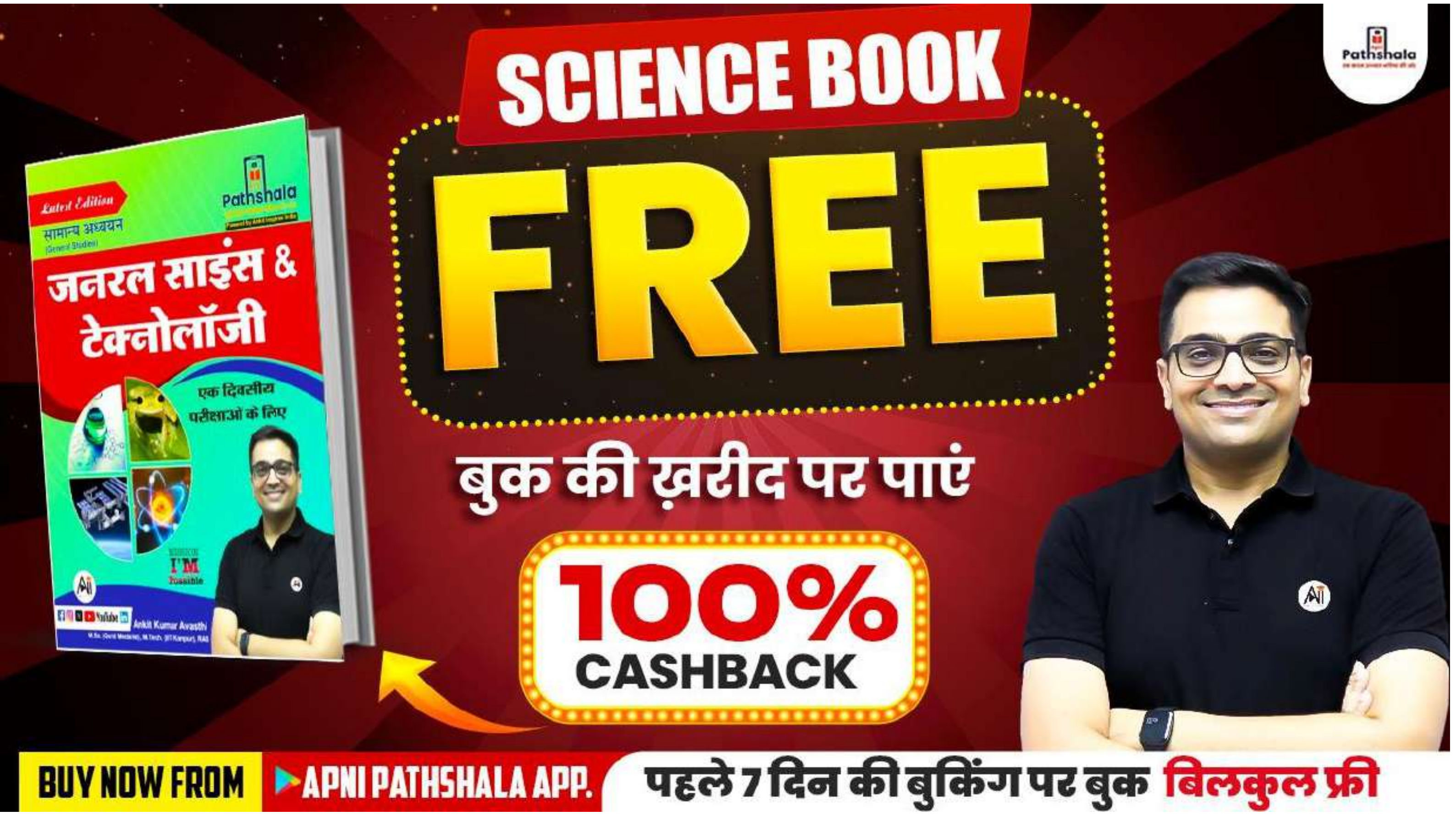
SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

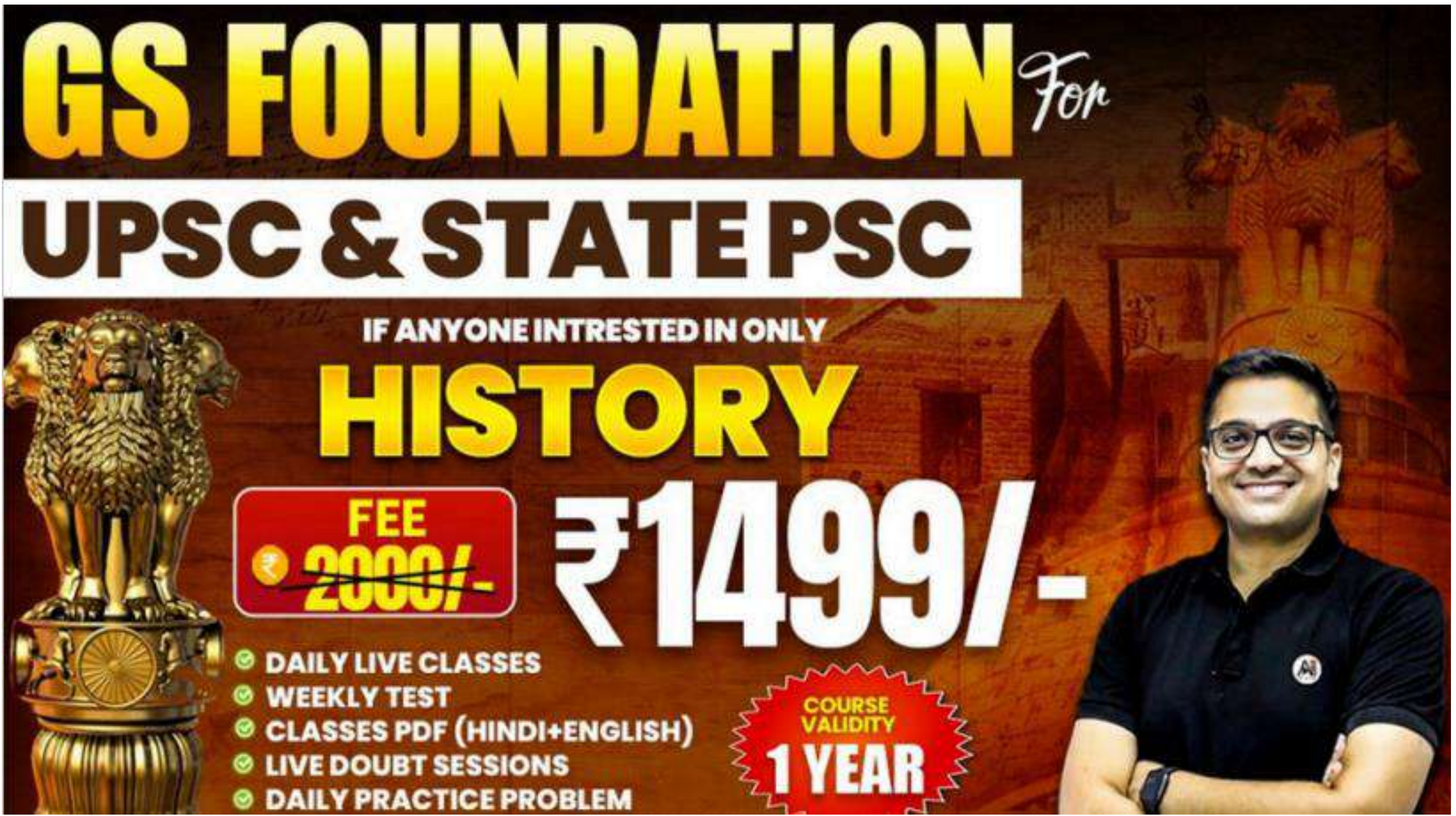
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

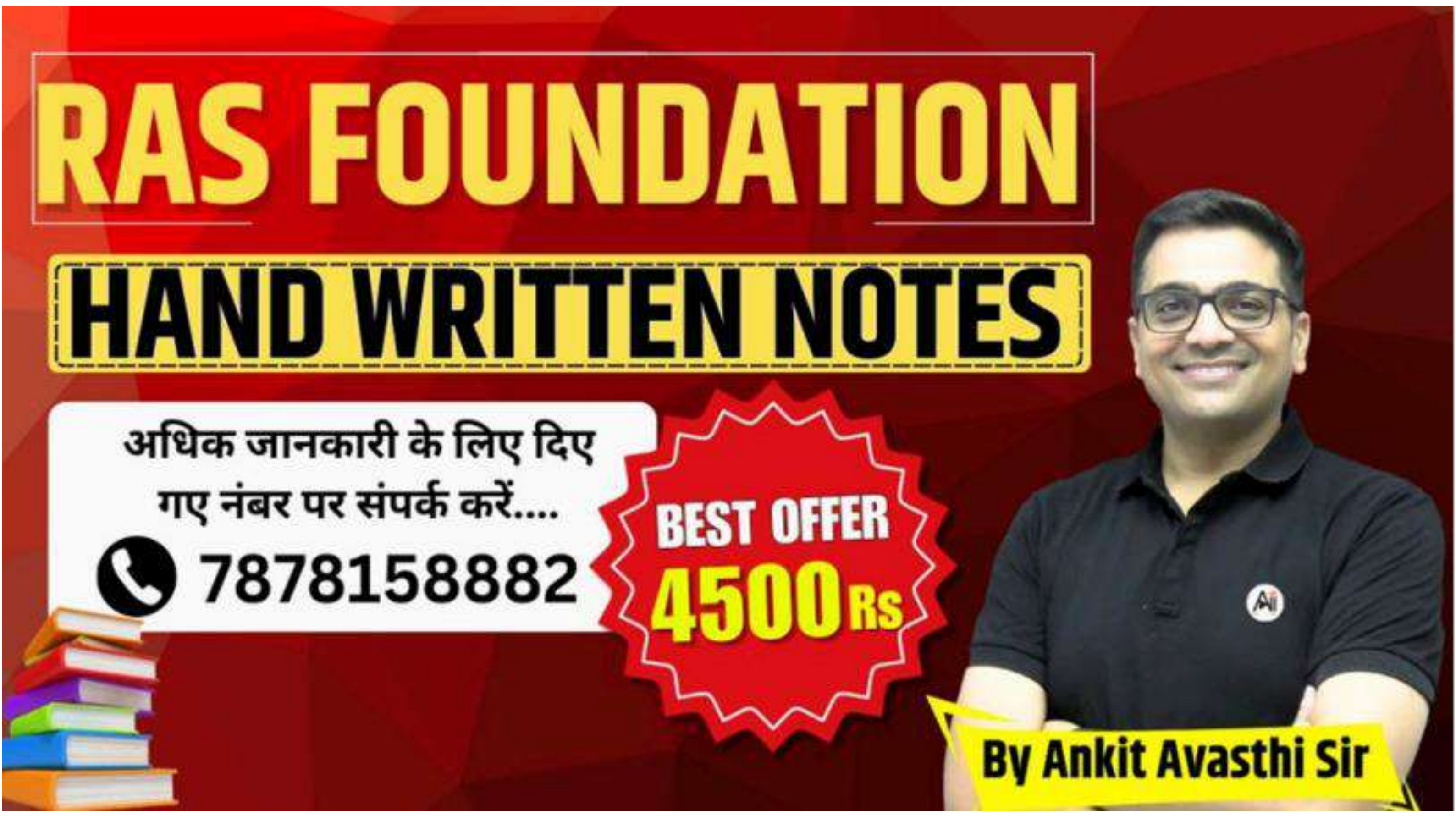
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
~~₹1999/-~~
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
एक निवेश समझदारी से..
Course Validity
1 YEAR

CALL CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: